

Hindi Murli Quiz 28-10-2015

Q.1) Match the following

	Choice		Match
A	कर्मातीत अवस्था हो जाए तो फिर शरीर छोड़ना पड़े	1	विपरीत बुद्धि होकर रहते हैं तो विनशन्ती हो जाते हैं।
B	अभी कोई भी नहीं कह सकते कि	2	अभी कुछ न कुछ विकर्म रहे हुए हैं, हिसाब-किताब है इसलिए योग पूरा नहीं लगता है।
C	सारा मदार तुम्हारी	3	उनको बाप समझायेंगे ना। बच्चे, बच्चे को कह नहीं सकते। अपने हाथ में लॉ नहीं लेना है।
D	अगर बाप के मददगार नहीं बनते, प्यार नहीं करते, एक-दो से प्रीत नहीं है	4	वह है गुप्त। तुम हो प्रत्यक्ष।
E	कोई किसको दुःख देते हैं तो	5	हम कर्मातीत अवस्था में हैं।
F	सतोप्रधान बनने का रास्ता बाप समझा रहे हैं।	6	अवस्था पर और विनाश पर है।

Q.2) बाप कहते हैं यहाँ तो 21 जन्मों की गैरन्टी है। वहाँ यह पता नहीं पड़ेगा कि हम बेहद के बाप से यह वर्सा ले आये हैं। यह ज्ञान इस समय तुमको मिलता है तो कितना अच्छी रीति पुरुषार्थ करना चाहिए। पुरुषार्थ नहीं करते हैं तो गोया अपने पांव पर कुल्हाड़ा मारते हैं।

A. ☐ False

B. ☐ True

Q.3) शिवबाबा की ही महिमा है। बाप कहते हैं तुम अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो। इसमें बहुत अच्छे-अच्छे बच्चे फेल होते हैं। देही-अभिमानि स्थिति में ठहर नहीं सकते। देही-अभिमानि बनने से तब ही इतना ऊँच पद पायेंगे। कई बच्चे फालतू बातों में बहुत टाइम वेस्ट करते हैं।

A. ☐ False

B. ☐ True

Q.4) _____ बनो तो समस्यायें भी मनोरंजन का खेल अनुभव होंगी।

A. ☐ नॉलेजफुल

B. ☐ योगी

C. ☐ जानी तू आत्मा

D. ☐ स्नेही

Q.5) इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -

A. ☐ निंदा-स्तुति, मान-अपमान सब कुछ सहन करना।

B. ☐ मन्सा में भी किसी को दुःख देने का खयाल न आये।

C. ☐ अगर कोई कुछ बोलता है तो शान्त रहना। हाथ में लॉ नहीं उठाना।

D. ☐ आपस में कभी एक-दो को तंग नहीं करना, गुस्सा नहीं करना, यह आसुरी मनुष्यों का काम है।

Q.6) बाप खुद कहते हैं तुम बच्चों ने बहुत पैसे बरबाद किये हैं। यह भी ड्रामा में पार्ट है जो तुमको धक्का खाना पड़ता है। यह है ही ज्ञान और भक्ति का खेल। अभी तुम बच्चों को सारी समझ मिलती है। ज्ञान है सुख का रास्ता, ज्ञान से सतयुग की राजाई मिलती है। इस समय राजा रानी तथा प्रजा सब नर्क के मालिक हैं।

A. ☐ True

B. ☐ False

Q.7) Match the following

	Choice		Match
A	जो बच्चे परमात्म स्नेह में सदा लवलीन रहते हैं	1	एक बाप दूसरा न कोई, बाप ही संसार है।
B	उनके आगे प्रकृति और माया	2	वह मेहनत और मुश्किल से बचे रहते हैं।
C	जो स्नेही आत्मा अपने मालिकपन की स्टेज पर रहती हैं,	3	उनका समय वा संकल्प प्रकृति व माया अपने तरफ लगा नहीं सकती।
D	उनका हर समय, हर संकल्प	4	बाप की याद और सेवा के प्रति होता है।
E	स्नेही आत्माओं की स्थिति का गायन है -	5	अधीन नहीं हो सकते।

Q.8) बाप बच्चों को समझाते हैं बच्चे माया बड़ा जोर से थप्पड़ लगाती है, विकर्म करा देती है इसलिए कचहरी करो, आपेही अपनी कचहरी करना अच्छा है। तुम अपने को आपेही राजतिलक देते हो तो अपनी जांच करनी है। तमोप्रधान से सतोप्रधान बनना है। बाप श्रीमत देते हैं ऐसे-ऐसे करो, दैवीगुण धारण करो।

- A. ☐ False
- B. ☐ True